अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : तबला-पखावज

दि. 11/11/2018 समय : दोपहर 2 से 5 **कुल अंक : 75**

सूचनाएँ : (१) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।
(२) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखें।
(३) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. लिपिबध्द कीजिए (कोई तीन) :- **(3×5=15)**

(तबला के विद्यार्थी)

(1) झपताल में एक चक्रदार।

(2) एकताल में एक समसे समतक एक टुकडा।

(3) तीनताल में एक तिस्त्र जाती का कायदा दो पलटे और तिहाई के साथ।

(4) झपताल में एक कायदा, दो पलटे और तिहाई के साथ।

(पखावज के विद्यार्थी)

(1) धमार ताल में रेला दो पलटो और तिहाई के साथ।

(2) ताल तेवरा-दुगुन और तिगुन लयकारी।
(सम से सम तक)

(3) सुलताल मे परन।

(4) चौताल मे परन।

प्र. 2. संक्षिप्त जानकारी लिखे। (कोई तीन) (15)

(1) ठुमरी

(2) ख्याल

(3) तराना

(4) भजन।

प्र. 3. बाज और घराने को पारिभाषित करते हुए अपने वाद्य के घरानों की विस्तृत जानकारी लिखे (कोई दो)
लखनौ, दिल्ली, पानसे, कुदोंऊसिंह (15)

प्र. 4. अपने वाद्य का इतिहास और आधुनिक रूप मे परिवर्तन लिखे। (15)

प्र. 5. सोदाहरण स्पष्टीकरण दीजिए (कोई तीन) :- (3×5=15)

(1) गत - (16 मात्रा के ताल मे)

(2) परन - (पाठ्यक्रम के किसी भी ताल में)

(3) दमदार तिहाई -
(12 मात्रा के ताल मे एक ही पूर्ण आवर्तन मे)

(4) चक्रदार-फर्माईशी - (16 मात्रा के ताल मे)

प्र. 6. टिप्पणीयाँ लिखे। (कोई तीन) :- (5×3=15)

(1) उत्कृष्ठ तबला/पखावज वादक के गुणदोष।

(2) अपना वाद्य स्वर मे मिलाने के नियम।

(3) पखावज के बाएँ पर आटा लगाने का विधी तथा कारण।

(4) विभिन्न संगीत प्रकारों की संगती के लिए प्रयोग में लिए जानेवाले विभिन्न स्वरों के तबलों कि जानकारी दे।

(5) अपने वाद्य के बाज तथा बनावट के बारे में जानकारी दे।

प्र 7. (अ) पं. पलुस्कर और पं. भातखंडे ताल लिपी पध्दतीयों की तुलना करे। (कम से कम दस मुद्दों पर) **(10)**

(ब) निम्नलिखित बोलोक्ती का प्रयोग करके 14 और 16 मात्राओं के तालों में तिहाई लिपीबद्ध करें। **(5)**

धिरधिरकिटतक तातीरकिटतक ताऽधिरधिर किटतकतकिट धाऽ